हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 12 अंक : 83 | देहरादून, मंगलवार, 19 सितंबर, 2023 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 08

एसपी चमोली ने रेखा यादव ने कुर्सी सम्हालते ही दिए कड़े निर्देश

3

मुख्यमंत्री ने स्वच्छता सेवा पखवाड़ा-2023 का शुभारंभ किया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 19 सितंबर , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने स्वच्छता सेवा पखवाड़ा-2023 का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में 'स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण-2023' से मुख्यमंत्री ने 15 ग्राम पचायतों को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर स्वच्छता के क्षेत्र में सराहनीय कार्य करने वाले 05 पर्यावरण मित्रों को भी सम्मानित किया। 'स्वच्छता ही सेवा गीत' का भी इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने विमोचन किया।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने स्वच्छता सर्वेक्षण ग्रामीण-2023 पुरस्कार के लिए चयनित राज्य की उत्कृष्ट 15 पंचायतों को सम्मानित होने पर शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि स्वच्छता के इस महा अभियान में उत्कृष्ट योगदान देने वाली सभी पंचायतों और स्वच्छता दूतों के वे आभारी हैं, जिनकी संकल्प शक्ति और प्रयासों ने राज्य में स्वच्छता का एक नया अध्याय लिखा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वच्छता दूत ही स्वच्छता अभियान की धुरी हैं और जो सम्मान राज्य ने प्राप्त किया है वो इनके बिना असंभव था। भारतीय संस्कृति और दर्शन में स्वच्छता हमेशा से सर्वोच्च प्राथमिकता रही है। ये हमारे मूल्यों और संस्कारों का अभिन्न अंग हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में चल रहे स्वच्छ भारत मिशन की वजह से देश स्वच्छता के प्रति, पुनः जागृत हुआ है। स्वच्छता के इस महा अभियान की सफलता की चर्चा पूरे विश्व में हो रही है। जब सरकार के प्रयासों में जन भागीदारी जुड़ती है तो उन प्रयासों की शक्ति कई गुना बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड की भूमि धार्मिक, पौराणिक भूमि है। इस भूमि के कण-कण में देवताओं का वास है और देवता वहीं वास करते हैं जहां स्वच्छता होती है।

स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण 2023 में पुरस्कृत होने वाली ग्राम पंचायतें

जनसंख्या श्रेणी 2000 से कम

1. जनपद नैनीताल से ग्राम पंचायत-पस्तोला, विकासखण्ड-भीमताल, ग्राम प्रधान श्रीमती खष्टी राघव
2. जनपद नैनीताल से ग्राम पंचायत- बोहराकोट, विकासखण्ड- रामगढ़, ग्राम प्रधान श्री बसंत लाल शाह
3. जनपद नैनीताल से ग्राम पंचायत- जमराड़ी, विकासखण्ड-ओखलकांडा, ग्राम प्रधान श्री बलवीर सिंह
4. जनपद चंपावत से ग्राम पंचायत- चौकी, विकासखण्ड- चंपावत से ग्राम प्रधान श्री मोहन चन्द पाण्डे
5. जनपद चंपावत से ग्राम पंचायत- ठांटा, विकासखण्ड- लोहाघाट से ग्राम प्रधान श्री शिव शंकर पाठक

जनसंख्या श्रेणी 2000-5000 तक

1. जनपद नैनीताल से ग्राम पंचायत- किशनपुर सकुलिया, विकासखण्ड- हल्द्वानी, ग्राम प्रधान श्री विपिन चन्द जोशी
2. जनपद नैनीताल से ग्राम पंचायत- कनिया, विकासखण्ड- रामनगर, ग्राम प्रधान श्रीमती सुनिता घुघतियाल
3. जनपद नैनीताल से ग्राम पंचायत- हल्दूचौड़ जग्गी, विकासखण्ड- हल्द्वानी से ग्राम प्रधान श्रीमती मीना भट्ट
4. जनपद नैनीताल से ग्राम पंचायत- हल्दूचौड़ दीना, विकासखण्ड- हल्द्वानी से ग्राम प्रधान श्रीमती हेमन्ती जोशी
5. जनपद देहरादून से ग्राम पंचायत- भगवानपुर जुल्हो, विकासखण्ड- सहसपुर से ग्राम प्रधान श्री दीपक जोशी

जनसंख्या श्रेणी 5000 से अधिक

1. जनपद देहरादून से ग्राम पंचायत- डाकपत्थर, विकासखण्ड- विकासनगर से ग्राम प्रधान श्रीमती मंजु
2. जनपद देहरादून से ग्राम पंचायत-खदरी खड़कमाफ, विकासखण्ड- डोईवाला से ग्राम प्रधान श्रीमती संगीता थपलियाल
3. जनपद हरिद्वार से ग्राम पंचायत- खेड़ा जट, विकासखण्ड-नारसन से ग्राम प्रधान श्रीमती अवध कुमारी
4. जनपद हरिद्वार से ग्राम पंचायत-भगेरी मेहबातपुर(एल), विकासखण्ड-रूड़की विकी से ग्राम प्रधान श्री नरेन्द्र कुमार
5. जनपद उधमसिंह नगर से ग्राम पंचायत- विगराबाग, विकासखण्ड-खटीमा से ग्राम प्रधान श्रीमती माधवी देवी।

स्वच्छता के क्षेत्र में सराहनीय कार्य के लिए सम्मानित होने वाले पर्यावरण मित्र - पप्पू, विनोद, शिव कुमार मीना, सविता रहे। इस अवसर पर मेयर सुनील उनियाल गामा, विधायक सविता कपूर, प्रमुख सचिव आर. के सुधांशु, सचिव अरविन्द सिंह ह्यांकी, निदेशक शहरी विकास नितिन भदौरिया, निदेशक स्वजल कर्मेन्द्र सिंह उपस्थित थे।

सतपाल महाराज ने किया बंदरपूंछ और भागीरथी पर्वतारोहण दल रवाना

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 19 सितम्बर , पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद् में भारतीय पर्वतारोहण संघ, नई दिल्ली एवं उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद् द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित बन्दरपूंछ-6316 मी0, भागीरथी द्वितीय-6512 मी0 पर्वतों पर पर्वतारोहण अभियान का फ्लैग ऑफ कर रवाना किया। मंत्री महाराज ने बंदरपूंछ एवं भागीरथी पर्वतों पर पर्वतारोहण दलों के सदस्यों के दलों के कैप्टन को फ्लैग देते हुए अभियान पूर्ण करने की शुभकामनाएं दी।

दोनों दलों में 12-12 सदस्य है ये दल देहरादून से उत्तरकाशी तक जांएगे। पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन का मुख्य उद्देश्य राज्य में साहसिक खेलों को बढावा देना है। इस प्रकार के आयोजनों से साहसिक पर्यटन को बढावा मिलेगा तथा स्थानीय निवासियों को स्वरोजगार के अवसर भी प्रदान होंगे। कहा कि गांसे (गौरी) एवं औली को विशेष रूप से विकसित किया जा रहा है ताकि यह पर्यटन स्थल सम्पूर्ण एशिया को अपनी ओर आकर्षिक करें। सतपाल महाराज ने कहा कि राज्य में साहसिक पर्यटन हेतु पर्याप्त स्थान है इनको विकसित करते हुए साहसिक पर्यटन को बढावा देने की योजना पर कार्य किया जा रहा है। कहा कि नालंग-जादुंग क्षेत्र को सरकार द्वारा पर्यटन हेतु खोला जा रहा है। उन्होंने कहा कि क्लाईमेंटाइजेशन को ध्यान में रखकर यात्रा करवाई जाए इसके लिए यात्रा को रेगूलेट करना जरूरी है। इस अवसर पर आईएमएफ की अध्यक्ष हर्षवंती बिष्ट, सचिव पर्यटन सचिन कुर्वे, प्रधानाध्यापक आईएमएफ अंशुमान भदोरिया, कार्यकारी अधिकारी कर्नल अविनाश पुण्डीर आदि उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन पर भाजपाइयों ने किया रक्तदान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ऋषिकेश। भाजपाइयों ने पीएम नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर चल रहे सेवा पखवाड़े के तहत रक्तदान शिविर लगाया। जिसमें 20 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। शिविर में वक्ताओं ने रक्तदान की महत्ता के बारे में बताया। सोमवार को भानियावाला स्थित गणपति गार्डन में भाजपाइयों ने पीएम नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर चल रहे सेवा पखवाड़े के तहत रक्तदान शिविर आयोजित किया।

जिसका शुभारंभ पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने किया। उन्होंने कहा कि इस समय प्रदेशभर में डेंगू के मामले आ रहे हैं, ऐसे में प्लेटलेट्स की भी काफी मांग है। इस समय रक्तदान की बहुत आवश्यकता है जो लोग रक्तदान नहीं करते, उनको इस पुनीत कार्य में आगे आना चाहिए। क्षेत्रीय विधायक बृजभूषण गैरोला ने कहा कि रक्तदान को महादान माना गया है। हमारे द्वारा किया गया रक्तदान कई जिंदगियों को बचाता है। परिवर्तन चैरिटेबल ब्लड बैंक के डॉ. संदीप चौधरी ने कहा कि हर स्वस्थ व्यक्ति को प्रत्येक तीन महीने में एक बार रक्तदान जरूर करना चाहिए। शिविर आयोजक विनय कंडवाल और भाजयुमो जिलाध्यक्ष अंकित बिजल्वान ने कहा कि शिविर में 40 लोगों ने पंजीकरण कराया, लेकिन आवश्यक जांच के बाद 20 लोग रक्तदान कर पाए। मौके पर भाजपा जिला सहप्रभारी नलिन भट्ट, जिला अध्यक्ष रविंद्र राणा, महामंत्री राजेंद्र तडियाल, डोईवाला नगर मंडल अध्यक्ष नरेंद्र सिंह नेगी, पूर्व जिला मंत्री मनीष नैथानी, महामंत्री मनमोहन नौटियाल, सभासद ईश्वर रौथाण, संदीप नेगी, हिमांशु भट्ट, नितिन कोठारी, मनिंदर सिंह, सुमित राजपूत, मंगल रौथाण, सुबोध नौटियाल, संदीप नेगी, विक्रम नेगी, अंकित काला, अवतार सिंह, दिनेश वर्मा, पंकज शर्मा, रोहित छेत्री, राजकुमार राज, लच्छीराम लोधी, चंद्रभान पाल, दिनेश सजवान, नितिन कोठारी, मनीष छेत्री, ममता नयाल, कोमल देवी, आशा सेमवाल, संतोषी बहुगुणा, पुष्पा प्रजापति, हिमांशु राणा, सुंदर लोधी, कृष्णा तडियाल, प्रकाश कोठारी आदि उपस्थित रहे।

90 फीसदी लोगों में डिप्रेशन के ये लक्षण सबसे कॉमन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 19 सितंबर डिप्रेशन एक ऐसी समस्या है जो धीरे -धीरे अपना दायरा बढ़ा रही है. ये एक परेशानी इंसान को आत्महत्या तक करने पर मजबूर कर देती है. चिंता की बात यह है कि आज भी लोग इस समस्या के बारे में बात करने से बचते हैं. किसी की मेंटल हेल्थ खराब हो रही है तो उसको लक्षण भी आसानी से पता नहीं चल पाते हैं. चिंता, डर और घबराहट से होने वाली शुरुआत डिप्रेशन बन जाती है, जो बाद में कई समस्याओं का कारण बनता है. अमेरिकन साइकेट्री एसोसिएशन के मुताबिक, बीते कुछ सालों में दुनियाभर में डिप्रेशन के मामले बढ़ रहे हैं. भागदौड़ से भरी जिंदगी ने हालात और खराब कर दिए हैं. 14 साल से 30 साल की उम्र में इस समस्या के केस ज्यादा आ रहे हैं. अधिकतर मामलों में लोगों को पता ही नहीं चल रहा कि वो डिप्रेशन से पीड़ित हैं.

अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि ये कैसे पता चले कि आप डिप्रेशन का शिकार हो रहे हैं? इस बारे में डॉक्टरों का कहना है कि शुरुआती स्तर पर डिप्रेशन के लक्षणों की पहचान करने से स्थिति के बिगड़ने से पहले ही इलाज होना संभव है. लेकिन आज भी लोग मानसिक स्वास्थ्य को लेकर डॉक्टर से बात करने में बचते हैं. यही कारण है कि बहुत ले लोग डिप्रेशन की चपेट में आ जाते हैं. विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक, भारत में सबसे ज्यादा लोग डिप्रेशन से पीड़ित है. मानसिक स्वास्थ्य को लेकर शुरुआती उम्र से ही जागरूकता लाने की जरूरत है. इसके लिए सबसे पहले डिप्रेशन के उन लक्षणों को जानना जरूरी है जो इस बीमारी के 90 फीसदी मरीजों में मिलते हैं.

डिप्रेशन का शिकार होने के ये हैं 11 लक्षण

व्यक्ति को अचानक भूख कम या ज्यादा लगना शुरू हो जाए

दिमाग में निगेटिव खयाल आने लगें

हमेशा थकान बनी रहे

खुद को बेकार समझना

किसी काम में मन न लगना

नींद का पैटर्न बदल जाना

हंसकर या मुस्कुराकर भावनाएं छिपाने की कोशिश करना

अकेले रहने का मन करना

किसी काम को करने में खुशी महसूस न होना

जीवन की किसी दुखद घटना को हमेशा याद करते रहना

नहीं करते डिप्रेशन पर बात

भारतीय सेना की सबसे बहादुर यूनिट है 'राष्ट्रीय राइफल्स'

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 19 सितंबर राष्ट्रीय राइफल्स भारतीय सेना की सबसे बहादुर यूनिटों में से एक है, यह सबसे खास इसलिए है, क्योंकि ये सेना की एकमात्र ऐसी बटालियन है, जिसमें इंफेंट्री, आर्टिलरी, आर्म्ड, सिग्नल से लेकर इंजीनियर तक सब सैनिक एक साथ एक ही लक्ष्य यानी आतंक के सफाए के लिए काम करते हैं. आधुनिक प्रशिक्षण और अत्याधुनिक हथियारों से लैस इसी बटालियन को कश्मीर में ऑपरेशन ऑलआउट की जिम्मेदारी दी गई है.

1990 में हुआ था गठन

तीन दशक पहले 1990 में तत्कालीन सेना प्रमुख वीएन शर्मा ने राष्ट्रीय राइफल्स का गठन किया था. इस बटालियन के पहले डीपी लेफ्टिनेंट जनरल पीसी मनकोटिया थे. सबसे पहले इसकी 6 बटालियन बनाई गईं थीं, जिनमें से 3 को पंजाब की जिम्मेदारी दी गई थी और तीन बटालियन कश्मीर में तैनात की गई थीं. वर्तमान में इसकी तकरीबन 65 बटालियन हैं. खास बात ये है कि इस यूनिट में आधे जवान इंफेंट्री से लिए जाते हैं, शेष अन्य यूनिटों से भर्ती किए जाते हैं. आतंकियों को खोजना, आत्मसमर्पण कराना या मार गिराना ही इनका लक्ष्य होता है.

हर दम रहते हैं तैयार

जम्मू कश्मीर में आतंक के सफाए की जिम्मेदारी राष्ट्रीय राइफल्स है, ऐसे में इन्हें हर पल तैयार रहना पड़ता है, सूचना मिलने पर मिनटों में तैयार होकर ये तय स्थान पर निकल जाते हैं, ऑपरेशन को प्लान करने के लिए भी इनके पास कुछ ही वक्त होते हैं. हाल ही में एक टीवी चैनल को दिए इंटरव्यू में राष्ट्रीय राइफल्स के जवान ने बताया था कि कहीं भी आतंकी होने की सूचना मिलने के बाद उन्हें हर हाल में 10 से 15 मिनट के अंदर निकलना पड़ता है. इसमें दो मिनट उन्हें तैयार रहने के लिए दिए जाते हैं, शेष में ऑपरेशन प्लान करने के साथ गाड़ी में बैठकर निकलने तक का काम किया जाता है.

खास तरह से दी जाती है ट्रेनिंग

कश्मीर में आतंकियों के सफाए के साथ आम लोगों की सुरक्षा का दायित्व ही भारत की यही यूनिट निभाती है, ऐसे में इन्हें खास तरह से ट्रेनिंग दी जाती है. इसके प्रशिक्षण में हर बात का खास तौर पर ध्यान रखा जाता है. इन्हें ये सिखाया जाता है कि यदि ऑपरेशन के दौरान आतंकियों का साथ कोई भटका हुआ युवक दे रहा है तो उसका आत्मसमर्पण कराएं. ये इनके प्रोटोकॉल में शामिल होता है.

अत्याधुनिक हथियार और उपकरणों से लैस

राष्ट्रीय राइफल्स के जवान अत्याधुनिक हथियारों और उपकरणों से लैस होते हैं, इनके पास एलएमजी, 40 एमएम एमजीएल यानी मल्टी ग्रेनेड लांचर, एके 47 होते हैं, ऑपरेशन पर निकलने वाली टुकड़ी को अपने साथ प्राथमिक चिकित्सा किट, ड्रोन, एयर मोड कॉर्डन लाइट रखनी पड़ती, इसके अलावा सर्विलांस टीम टैम्बो साइट लेकर चलती है जो थर्मल इमेज बनाता है, इसकी मदद से आतंकी की हर एक्टिविटी पर नजर रखी जाती है, यह वीडियो भी बना सकता है और फोटो भी क्लिक करता है.

हर पल रहता है जान का खतरा

ऑपरेशन की सूचना के बाद राष्ट्रीय राइफल्स के जवानों को आतंकियों का पता लगाने के लिए सर्च ऑपरेशन चलाने पड़ते हैं, यदि शहरी इलाका है तो ये तय नहीं होता कि आतंकी किस घर में छिपे हैं या कहां से फायरिंग कर रहे हैं, जंगलों में ही यही हालात होते हैं, एक टीवी इंटरव्यू में जवान ने बताया कि एयर कॉर्डन लाइट जलाने वाले को सबसे ज्यादा खतरा होता है, ज्यादातर ऑपरेशनों में लाइट जलाने वाले को ही पहली गोली लगती है, ऐसे में अब जवान लाइट को दूर रखते हैं और पीछे आकर इसे जलाते हैं, ताकि खतरा कम रहे. आतंकियों को मार गिराने के बाद उनकी शिनाख्त करते हैं.

लेना पड़ता है नो क्लेम सर्टिफिकेट

कश्मीर में ज्यादातर आतंकी घरों का सहारा लेते हैं, ऑपरेशन के बाद राष्ट्रीय राइफल्स के जवानों को घर के मालिक से नो क्लेम सर्टिफिकेट भी लेना पड़ता है. ऐसा इसलिए किया जाता है, ताकि जिस घर में आतंकियों को मार गिराया गया, वहां कोई नुकसान न हुआ हो या चोरी न हुई हो

खुशबूदार साबुन भी करता है मच्छरों को आकर्षित, रिसर्च

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 19 सितम्बर : साल वह समय एक बार फिर आ गया है जब मच्छरों की आबादी बढ़ जाती है और वे काफी एक्टिव हो जाते हैं। ऐसे समय में जरूरी है कि हम खुद को मच्छरों से बचाएं, ताकि हम मलेरिया, डेंगू, ज़ीका और वेस्ट नाइल वायरस जैसी घातक बीमारियों से बच सकें। उमस और गर्मी का पारा चढ़ने ने मच्छरों की तादाद भी बढ़ने लगती है। ऐसा इसलिए क्योंकि यह समय मच्छरों की ब्रीडिंग के लिए बेस्ट होता है। इसलिए जरूरी है कि इस बारे में अपनी जानकारी बढ़ाएं और इस मौसम में हम बीमार पड़ने के रिस्क को कम करें। वर्जीनिया पॉलिटेक्निक इंस्टीट्यूट और स्टेट यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं द्वारा किए गए एक नए अध्ययन में बताया कि अगर आपको मच्छर ज्यादा काटते हैं, तो इसके पीछे आपके द्वारा इस्तेमाल किया जा रहा साबुन भी जिम्मेदार हो सकता है। शोध में इस फैक्ट को साबित भी किया गया

लोगों द्वारा उपयोग किए जा रहे अलग-अलग खुशबू वाले साबुन को स्टडी किया गया, जिनकी ओर मच्छर आकर्षित होते हैं। इस शोध के नतीजे जर्नल iScience में प्रकाशित किए गए। इस रिसर्च के वैज्ञानिकों के अनुसार, मच्छर साबुन की ओर आकर्षित हो सकते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि वे जब खून नहीं पी रहे होते, तो वे पौधे के रस के साथ चीनी का सेवन पूरा करते हैं। ऐसे में वे खुशबू वाले साबुन की ओर भी आकर्षित हो जाते हैं। शोध में भी देखा गया कि मच्छर उन लोगों की ओर ज्यादा आकर्षित हो रहे हैं, जो खुशबूदार साबुन से नहाते हैं।

मच्छरों से कैसे बचा जा सकता है ?मच्छरों को अपनी ओर कम आकर्षित करने के लिए पीच ने कुछ सुझाव दिए। जिसमें उन्होंने कहा कि सबसे अच्छा है कि आप मॉस्किटो रिपेलेंट का इस्तेमाल करें, इसके अलावा गहरे रंग के कपड़े पहनने से बचें, हल्के रंग का ज्यादा से ज्यादा उपयोग करें। कई शोध में पता चला है कि नारियल युक्त केमिकल खून पीने वाले कीड़ों के लिए अच्छे रिपेलेंट साबित होते हैं। इसलिए अगर आपको ज्यादा ही मच्छर काटते हैं, तो आपको इनका उपयोग जरूर करना चाहिए।

सिनियर सिटीजन सेल की शिकायतों पर तेज़ी से करे कार्यवाही : सोनिका, डीएम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 19 सितम्बर , जिलाधिकारी सोनिका की अध्यक्षता में ऋषिपर्णा सभागार कलेक्टेªट में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। जनसुनवाई में 105 शिकायतें प्राप्त हुई, प्राप्त शिकायतों में पारिवारिक मामले तथा वरिष्ठ नागरिकों, आपसी विवाद, भूमि विवाद, भूमि सीमांकन, अतिक्रमण, उत्पीड़न, मुआवजा, बिजली, पानी, सड़क, आपदा आदि से सम्बन्धित शिकायतें प्राप्त हुई। जनसुनवाई में अधिकांश शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। जिलाधिकारी ने प्रत्येक फरियादी की शिकायतों को सुना, वहीं वरिष्ठ नागरिकों एवं दिव्यांगों की शिकायतों को गंभीरता से सुनते हुए तत्काल निस्तारण हेतु सम्बन्धित अधिकारियों को मौके पर ही निस्तारण हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जबकि कुछ शिकायतों को जिलाधिकारी द्वारा वाट्सएप्प के माध्यम से त्वरित निस्तारण हेतु सम्बन्धित उप जिलाधिकारियों/अधिकारियों को प्रेषित किये गए।

जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी एवं सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि भूमि सम्बन्धी शिकायतों पर मौका मुआवना करते हुए निस्तारण की कार्यवाही करें, साथ ही भूमि फर्जीवाड़ा शिकायतों पर अभिलेखों गहनता से जांच करते हुए मौका मुआवना कर कार्यवाही के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने सिनियर सिटीजन सेल एवं उप जिलाधिकारियों को वरिष्ठ नागरिकों से सम्बन्धित प्रकरणों पर यथाशीघ्र कार्यवाही करते हुए निस्तारण करें इसके लिए उप जिलाधिकारी सदर एवं पुलिस क्षेत्राधिकारी नगर को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए यथा शीघ्र निस्तारण करने को कहा। विद्युत, पेयजल, संड़क आदि शिकायतों पर विद्युत विभाग, जलसंस्थान, लोनिवि, पीएमजीएसवाई को समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए। साथ ही आपदा आदि से सम्बन्धित शिकायतों पर त्वरित राहत कार्यों के साथ ही स्थायी समाधान हेतु मुआवना कर प्रस्ताव प्रेषित करने के निर्देश दिए सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों को दिए।

जनसुनवाई में बिल्डर द्वारा उत्पीड़न किये जाने की शिकायत पर जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक को त्वरित कार्यवाही के निर्देश दिए। साथ ही आपसी विवाद की शिकायतों पर दोनो पक्षों को सुनते हुए कार्यवाही करने तथा माता पिता से बेटे द्वारा मारपीट करने की शिकायतों पर पुलिस को त्वरित कार्यवाही को कहा। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी सदर नंदन कुमार, उप नगर आयुक्त नगर निगम गोपालराम बिनवाल, उप जिलाधिकारी हरिगिरी गोस्वामी, पुलिस अधीक्षक मिथिलेश कुमार, मुख्य शिक्षा अधिकारी प्रदीप रावत, अधि0 अभि0 सिंचाई राजेश लांबा, विद्युत राकेश कुमार, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी राजेन्द्र विराटिया, जिला पंचायतीराज अधिकारी विद्याधर सोमनाल, जिला प्रोबेशन अधिकारी मीना बिष्ट सहित सम्बन्धित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

एसपी चमोली ने रेखा यादव ने कुर्सी सम्हालते ही दिए कड़े निर्देश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

चमोली , 19 सितंबर , पुलिस अधीक्षक चमोली रेखा यादव ने कुर्सी सम्हालते ही जनपद के समस्त राजपत्रित अधिकारियों/थाना प्रभारियों, स्था0अभि0 इकाई, फायर सर्विस, संचार शाखा एवं अन्य शाखा प्रभारियों के साथ मासिक अपराध गोष्ठी आयोजित कर मासिक अपराधों की समीक्षा एवं कर्मचारियों के साथ सम्मेलन कर अपनी प्राथमिकताएँ गिना दी है। । अपराधों की समीक्षा कर एसपी ने राजपत्रित एवं थाना प्रभारियों को आइये जानते हैं क्या दिशा-निर्देश दिए हैं

1. जनपद के समस्त थाना/चौकी प्रभारियों से परिचय प्राप्त कर उनके थाना क्षेत्र की भौगोलिक परिस्थितियों, थाना/चौकी में नियुक्त जनशक्ति, क्षेत्र से संबंधित समस्याओं तथा अपराधिक आंकड़ों के संबंध में जानकारी प्राप्त की गयी।

2. सम्मेलन में उपस्थित समस्त पुलिस कार्मिकों से उनकी समस्याएं पूछी गई तथा समस्याओं के तत्काल निस्तारण हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया साथ ही समस्त थाना प्रभारियों को अपने अधीनस्थ कर्मगणों की प्रत्येक माह गोष्ठी आयोजित कर उनके कार्यों की समीक्षा करने एवं उनकी व्यक्तिगत/पारिवारिक समस्याओं को सुनते हुए उनका त्वरित समाधान किये जाने हेतु निर्देशित किया गया।

3. थाना क्षेत्रान्तर्गत घटित घटना की समय से सूचना उच्चाधिकारियों को दिए जाने हेतु निर्देशित किया गया।

4. जनपद में बाहरी राज्यों/जनपदो से निवासरत सभी शस्त्र लाइसेंस धारकों के शस्त्र लाइसेंसों का भौतिक सत्यापन किए जाने हेतु सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया।

5. सभी थाना प्रभारियों/चौकी प्रभारियों को निर्देशित किया गया है कि बिना हेलमेट/बिना, लाईसेन्स/रैश, ड्राइविंग/नशे मे वाहन चलाने/खतरनाक तरीके से वाहन चलाने वाले/ होटल, ढाबों, सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने /पिलाने/ धूम्रपान करने वालों के विरुद्ध "ऑपरेशन इवनिंग स्टार्म" चलाते हुए आवश्यक कार्रवाई किए जाने हेतु निर्देशित किया गया है।

6. चार धाम यात्रा के द्वितीय चरण के दृष्टिगत अधिक संख्या में श्रद्धालुओं का आवागमन होगा। अतः सभी को मानसिक एवं शारीरिक तौर पर तैयार रहने हेतु निर्देशित किया गया। श्रद्धालुओं के साथ-साथ विभिन्न महानुभावों के भ्रमण कार्यक्रमों के दृष्टिगत निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए।

7. गोष्ठी में जनपद में लम्बित विवेचनाधीन अभियोग, वांछित अपराधी, बरामदगी, गिरफ्तारी, सम्मन वारण्टों की तामीली, लम्बित मालों के निस्तारण, वॉछित अभियुक्त के विरूद्ध की गयी कार्यवाही, सड़क दुर्घटना, यातायात व्यवस्था, एनडीपीएस/गुण्डा/गैंगस्टर/साईबर क्राइम आदि अपराधों में की गयी कार्यवाही तथा कानून व्यवस्था की समीक्षा करते हुए आपदा सम्बन्धी आंकडों की जानकारी प्राप्त की गयी।

8. "ड्रग फ्री देवभूमि 2025" के विजन को साकार करने हेतु अवैध शराब एवं ड्रग्स (चरस, अफीम, स्मैक आदि) की बिक्री पर पूर्णतया प्रतिबन्ध लगाने तथा मादक पदार्थ बिक्री व सप्लाई करने वाले व्यक्तियों को चिन्हित कर उनके विरूद्ध आबकारी अधिनियम व एनडीपीएस एक्ट कठोर कार्यवाही की जाये साथ ही नशे के विरूद्ध जनसहभागिता बढ़ाने के लिए प्रयास किए जाय।

9. सीएम हेल्पलाइन, एनसीआरपी, 112, सीसीटीएनएस पोर्टल पर प्राप्त होने वाली शिकायतों का शतप्रतिशत निस्तारण सुनिश्चित किये जाने हेतु निर्देश दिए गए, साथ ही समस्त थाना प्रभारी थाने में आने वाली जन शिकायतों एंव समस्याओं को धैर्यपूर्वक सुनकर प्राथमिकता के आधार पर त्वरित निस्तारण करने हेतु निर्देशित किया गया।

10. मुख्यालय स्तर से जनपद में चलाये जा रहे ऑपरेशन प्रहार के तहत वांछित/फरार/इनामी अपराधियों के विरूद्ध अभियान को और सार्थक बनाए जाने हेतु पुलिस टीमें गठित कर अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु गैर जनपद भेजे जाने हेतु निर्देशित किया गया।

11. बाहरी राज्यों से आने वाले सभी व्यक्तियों का शत-प्रतिशत सत्यापन कराये जाए तथा इस सम्बन्ध में प्राथमिकता के आधार पर व्यापक अभियान चलाये जाने हेतु निर्देश दिये गये।

12- महिला सुरक्षा के सम्बन्ध में विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। महिला सम्बंधी अपराधों में त्वरित कार्यवाही की जाय । गुमशुदगी में गुमशुदा की तत्काल बरामदगी कर नियमानुसार विधिक कार्यवाही की जाए।

13- जनपद में साइबर अपराधों के बढ़ते ग्राफ के दृष्टिगत साईबर सैल प्रभारी को जागरूकता अभियान चलाकर आमजनमानस को जागरूक करने व साईबर फ्रॉड से सम्बन्धित शिकायतों के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए गये।

14- जनपद में नियुक्त आरक्षी से निरीक्षक स्तर के समस्त अधिकारी/कर्मचारियों के वर्ष 2022-23 के वार्षिक गोपनीय प्रविष्टि (ACR) का IFMS में ऑनलाइन अंकन किये जाने हेतु प्रतिवेदक/ समीक्षक/ स्वीकृतकर्ता अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वह आवश्यक कार्यवाही को निर्धारित समयान्तर्गत पूर्ण करें।

15- पीड़ित केन्द्रित पुलिसिंग करते हुए प्रत्येक फरियादी की शिकायतों का तुरन्त निस्तारण करने के निर्देश दिये गये।

गोष्ठी में पुलिस उपाधीक्षक चमोली श्री प्रमोद शाह, पुलिस उपाधीक्षक कर्णप्रयाग श्री अमित सैनी, पुलिस उपाधीक्षक ऑपरेशन/यातायात सुश्री नताशा सिंह, श्री धर्मेन्द्र कुमार(ज्येष्ठ अभियोजन अधिकारी)सहित जनपद से समस्त थाना प्रभारी एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

मेंटल हेल्थ को न करें इग्नोर क्योंकि तेजी से बढ़े हो रहे बच्चे

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 19 सितंबर , करियर की चिंता, मां बाप की उम्मीदें और जॉब पाने के दबाव के चलते युवा छात्र मानसिक रूप बीमार हो रहे हैं। मेंटल हेल्थ पर खुल का बात न होने के चलते यूथ सुसाइड कर रहे हैं। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो की रिपोर्ट के आंकड़े चौकाने वाले हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, कोटा में 10 में से 4 छात्र मानसिक रूप से बीमार है। 2020 में हुए सर्वे के अनुसार, हर दिन 34 बच्चे जान दे रहे हैं। यह आंकड़ा बढ़ता ही जा रहा है। एक तरफ भारत चांद पर पहुंच चुका है, वहीं दूसरी तरफ मां-बाप आज भी बच्चों के करियर सिक्योर देखना चाहते हैं। नौकरी में बढ़ते कॉम्पिटिशन के चलते बच्चों पर भी दबाव बढ़ता जा रहा है।राजस्थान का कोटा शहर में देशभर से बच्चे कॉम्पिटिशन की तैयारी करने के लिए पहुंचते हैं। हर साल यहां आत्महत्या के मामले सामने आते हैं। 2023 में अब तक 25 बच्चे आत्महत्या कर चुके हैं। हाल में ही एक 16 साल की छात्रा के आत्महत्या का मामला सामने आया है। वह कोटा में पिछले 5 महीनों से नीट की तैयारी कर रही थीं। क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट,कहते हैं कि कैसे बच्चों को ये कदम को उठाने से रोक सकते हैं।डॉ. बताते हैं आज डिजिटल समय में बच्चे तेजी से बढे.हो रहे हैं। हार्मोनल बदलाव और करियर की चिंता बच्चों को डिप्रेस कर रहे हैं। सोशल मीडिया के जमाने में बच्चों उम्र से पहले ही बढ़े हो रहे हैं। ऐसे में हमें अपने बच्चों को दोस्त की तरह समझते हुए उनकी चुनौतियों से लड़ना सीखाना होगा।

पढ़ाई के प्रेशर के साथ बुलीइंग कर रही परेशान :

छोटी-सी उम्र से ही बच्चों पर पढ़ाई का प्रेशर बढ़ता जा रहा है। वहीं, बुलीइंग, सेल्फ कॉन्निफडेस की कमी बच्चों को परेशान कर रही है। सोशल मीडिया भी उनके दिमाग पर असर डाल रहा है। बच्चों में नाराजगी, डिप्रेशन तेजी से बढ़ रहा है। पेरेंटस को बच्चों के साथ दोस्तों की तरह बर्ताव करना चाहिए। उन्हें सीखाना चाहिए कि कोशिश करते रहें और प्रॉब्लम को कैसे सॉल्व करें। बच्चों को यह सिखाना चाहिए कि वे कैसे तनाव को पहचान सकते हैं। युवाओं को भी मेंटल हेल्थ पर खुलकर बात करनी चाहिए। मां-बाप, भाई-बहन, दोस्तों या फिर वे जिस पर भी विश्वास करते हों, उनसे बिना किसी झिझक के मदद मांगनी चाहिए।

क्या आप भी फ्रिज में रखे आटे की बनाते हैं रोटी ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 19 सितंबर , हमारी जीवनशैली, खानपान और हेल्थ का बहुत ही ध्यान रखना पड़ता है। क्योंकि किसी भी मौसम में कई बदलाव होने पर शरीर का मेटाबॉलिज्म कम हो जाता है और इम्यून सिस्टम भी कमजोर हो जाता है। ऐसे में कई बीमारी होने का चांस रहता है। इसलिए कुछ चीजों को परहेज करना ठीक रहता है। इसके अलावा कुछ घर की महिलाएं आटा गूंथकर फ्रिज में रख देती हैं और बाद में उसे यूज करती हैं।

ऐसा वो इसलिए करती हैं कि टाइम बचे। लेकिन, आपको पता ऐसा बिलकुल भी नहीं करना चाहिए। यह हेल्थ के लिए सही नहीं है। कई बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। वैसे गूंथे हुए आटे के अलावा बनी हुई सब्जियां भी फ्रिज में रखने के बाद अगले दिन इस्तेमाल करते हैं तो ये सेहत के लिए नुकसानदायक होता है।

कई बार ऐसा होता है कि गूंथे हुए आटे को कई-कई दिन यूज किया जाता है। आटा खराब न हो जाए इसके लिए हम उसे फ्रिज में रखते हैं। लेकिन एक या दो दिन का रखे

हुए आटे में बैक्टीरिया पैदा होते हैं। जो फूड पॉयजनिंग की परेशानी कर सकते हैं। इसमें पेट में दर्द, कॉन्स्टिपेशन और पाचन से जुड़ी परेशानियां हो सकती है। इसलिए ऐसा करना बंद कर दें। खासतौर से बारिश और गर्मी के मौसम ऐसी गलती भूल कर नहीं करनी चाहिए।कोशिश करनी चाहिए हमेशा ताजे आटे का ही यूज करें। इसके अलावा अगर आटा गूंथकर फ्रिज में रखना चाहते हैं तो सबसे पहले उसे गूंथते वक्त पानी की मात्रा ज्यादा ना रखें। इससे आटा जल्दी खराब हो जाता है। इसके अलावा गूंथे आटे को कंटेनर का प्रयोग करें। ये बातें हमेशा ध्यान रखेंगे तो बीमारियों से बचें रहेंगे।

सीएम धामी ने 57 सहायक अभियोजन अधिकारियों को नियुक्ति पत्र सौंपे

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 19 सितंबर , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग से चयनित 57 सहायक अभियोजन अधिकारियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किये। सचिवालय में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने सभी चयनित अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। मुख्यमंत्री ने चयनित सभी सहायक अभियोजन अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि ईश्वर ने आपको ऐसा कार्यक्षेत्र दिया है, जिसमें कार्य करने की बहुत संभावनाएं हैं।

उन्होंने आशा व्यक्त की सभी अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी ईमानदारी एवं कर्तव्यनिष्ठा के साथ करेंगे। कार्यक्षेत्र में आने वाली चुनौतियों का सामना जिम्मेदारी पूर्वक करेंगे। उन्होंने कहा कि देवभूमि उत्तराखण्ड की सेवा का अवसर मिलना सौभाग्य की बात है। मुख्यमंत्री ने सभी चयनित अभ्यर्थियों में अभिभावको, गुरूजनों और मार्गदर्शकों को भी बधाई दी। उन्होंने कहा कि किसी भी व्यक्ति की सफलता के लिए इनकी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी चयनित अभ्यर्थियों पर जन सेवा की अहम जिम्मेदारी है। अपने कार्यक्षेत्र में मन में पूर्णतः जिम्मेदारी का भाव होना जरूरी है।

सच्चे और अच्छे मन से कार्य हों, तो इससे बड़ी आत्म संतुष्टि मिलती है। उन्होंने सभी चयनित अभ्यर्थियों को अपने कार्य क्षेत्र में नवाचार एवं तकनीकि के बेहतर उपयोग के लिए प्रेरित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा उत्तराखण्ड को 2025 तक देश के अग्रणी राज्यों की श्रेणी में लाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए हम सबको अपने-अपने कार्यक्षेत्र में सराहनीय कार्य कर प्रदेश के समग्र विकास के लिए अपना योगदान देना है। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी, पूलिस महानिदेशक अशोक कुमार, निदेशक अभियोजन पी.वी.के प्रसाद, सचिव एस.एन पाण्डेय, डीआईजी जन्मेजय खण्डूड़ी, अपर सचिव अतर सिंह एवं चयनित सहायक अभियोजन अधिकारियों के परिवारजन उपस्थित थे।

एक अक्टूबर से जन्म और मृत्यु प्रमाणपत्र में होगा बड़ा बदलाव

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 19 सितंबर ये खबर हर घर से जुड़ी हुई है, क्योंकि मामला जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र का है। एक आधिकारिक बयान में गुरुवार को कहा गया है कि जन्म और मृत्यु पंजीकरण (संशोधन) अधिनियम, 2023 एक अक्टूबर से प्रभावी होने वाला है। विधेयक किसी कॉलेज में प्रवेश, ड्राइविंग लाइसेंस, मतदाता सूची, आधार संख्या, शादी का रजिस्ट्रेशन या सरकारी नौकरी में नियुक्ति समेत कई कामों के लिए एक ही दस्तावेज के रूप में जन्म प्रमाण पत्र के इस्तेमाल की अनुमति देगा।

जानकारी के मुताबिक, जन्म और मृत्यु पंजीकरण (संशोधन) अधिनियम, 2023 (2023 का 20) की धारा 1 की उप-धारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए केंद्र सरकार इसे एक अक्टूबर से लागू करने जा रही है। जन्म और मृत्यु पंजीकरण (संशोधन) विधेयक, 2023, जिसे केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय द्वारा संचालित किया गया था, को 7 अगस्त को राज्यसभा में ध्वनि मत से मंजूरी दे दी गई थी और लोकसभा में इसे 1 अगस्त को पारित कर दिया गया।

भारत के रजिस्ट्रार जनरल को पंजीकृत

किए गए जन्म और मृत्यु का राष्ट्रीय डेटाबेस रखने का अधिकार दिया गया है। मुख्य रजिस्ट्रार (राज्यों द्वारा नियुक्त) और रजिस्ट्रार (स्थानीय क्षेत्र क्षेत्राधिकार के लिए राज्यों द्वारा नियुक्त) राष्ट्रीय डेटाबेस के साथ पंजीकृत जन्म और मृत्यु पर डेटा साझा करने के लिए बाध्य होंगे। मुख्य रजिस्ट्रार राज्य स्तर पर एक समान डेटाबेस बनाए रखेगा।

नए कानून के तहत राष्ट्रीय डेटाबेस को अन्य डेटाबेस तैयार करने या बनाए रखने जैसे अन्य अधिकारियों को उपलब्ध किया जा सकता है। ऐसे डेटाबेस में जनसंख्या रजिस्टर, मतदाता सूची, राशन कार्ड और अधिसूचित कोई अन्य राष्ट्रीय डेटाबेस शामिल हैं। राष्ट्रीय डेटाबेस के उपयोग को केंद्र सरकार द्वारा अनुमोदित किया जाना चाहिए।

दून में होगी अखिल भारतीय स्कूल तैराकी चैंपियनशिप

देहरादून। अखिल भारतीय पब्लिक स्कूल कांफ्रेंस तैराकी और वाटर पोलो चैंपियनशिप 21 से 24 तक मसूरी रोड स्थित पेस्टलवीड एकेडमी में होगी। इसमें देश भर के 20 प्रतिष्ठित स्कूलों की टीमें भाग लेंगी। पेस्टलवीड के चेयरमैन और पीपीएसएस के अध्यक्ष डा. प्रेम कश्यप ने सोमवार को ये जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एक बेहद प्रतिष्ठित व बड़ा आयोजन है। इस बार इसकी मेजबानी दून को मिली है। जो गर्व की बात है। ये प्रदेश में वाटर स्पोर्टस और तैराकी को बढ़ावा देने में मददगार साबित होगा। इसमें जेनेसिस ग्लोबल स्कूल नोएडा उत्तर प्रदेश, यादवेंद्र पब्लिक स्कूल पटियाला पंजाब, दिल्ली पब्लिक स्कूल मथुरा रोड नई दिल्ली, राजकुमार कॉलेज रायपुर छत्तीसगढ़, द एमराल्ड हाइट्स इंटरनेशनल स्कूल इंदौर मध्य प्रदेश, द डेली कॉलेज इंदौर मध्य प्रदेश, मेयो कॉलेज अजमेर राजस्थान, मॉडर्न स्कूल बाराखंभा रोड, नई दिल्ली, द संस्कार वैली स्कूल भोपाल मध्य प्रदेश, प्रवर पब्लिक स्कूल प्रवर नगर, महाराष्ट्र, द दून स्कूल देहरादून उत्तराखंड, वाईपीएस मोहाली पंजाब, बी के बिड़ला सेंटर फॉर एजुकेशन पुणे महाराष्ट्र, मोतीलाला नेहरू स्कूल ऑफ स्पोर्टस सोनीपत हरियाणा, बीआरसीएम पब्लिक स्कूल बेहल हरियाणा, वेलहम बॉयज़ स्कूल देहरादून उत्तराखंड और और द पेस्टल वीड स्कूल मुख्य रूप से शामिल होंगे।

क्या आप जानते हैं इन कारणों से रिजेक्ट होता है बैंक लोन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 19 सितंबर पहले लोगों के मन में लोन को लेकर जितना भय था आज वैसा कुछ नहीं रह गया है. लोग अब लोन लेकर अपने अधिकांश काम पूरे कर रहे हैं. कई बार तो पर्याप्त राशि होते हुए भी लोग लोन लेकर ही अपना काम करते हैं. इसके पीछे का कारण यह है कि बैंक एक बार उस डील को अच्छे से देखभाल ले और फिर यह सुनिश्चित हो जाए कि आप जो भी काम करने जा रहे हैं वह किसी तरह से अवैध नहीं है. घर से लेकर कार और शिक्षा से लेकर ट्रेवल आजकल हर काम के लिए लोन मिल रहा है और लोग उसका फायदा भी ले रहे हैं. हालांकि, कई बार देखा गया है कि लोगों की लोन एप्लीकेशन बार-बार रिजेक्ट कर दी जाती है. आज हम ऐसे कारणों के बारे में जानेंगे जिनकी वजह से संभवतः किसी भी बैंक ग्राहक का लोन आवेदन खारिज किया जा रहा है. अगर आप इन कारणों पर काम कर के उनमें सुधार कर लें तो संभव है कि आपको लोन मिल जाए

जानिए कौन से हैं ये कारण.

कम क्रेडिट स्कोर- येस बैंक की वेबसाइट पर दी गई जानकारी के अनुसार, बैंक कई बार आपका लोन एप्लीकेशन इसलिए खारिज कर देते हैं क्योंकि आपके पास ऋण लेने के लिए न्यूनतम क्रेडिट स्कोर नहीं होता है. बैंक 700 से अधिक के क्रेडिट स्कोर को आसानी से लोन देते हैं. क्रेडिट स्कोर ठीक करने का तरीका है कि आप पुराने कर्जों की किस्त सही समय पर भरते रहें.

कम आय- अगर आप पर्सनल लोन या किसी भी अन्य तरह का लोन लेने जा रहे हैं और ऋण की रकम का समन्वय आपकी आय से नहीं बैठ रहा है तो आपका लोन आवेदन रद्द किया जा सकता है. अगर आपके पास आय का नियमित स्रोत नहीं है तब भी आपकी लोन एप्लीकेशन रिजेक्ट हो सकती है.

आवेदन में गलत जानकारी- अगर आपने लोन एप्लीकेशन में सही जानकारी नहीं दी है या फिर आपके द्वारा मुहैया कराई गई जानकारी फर्जी पाई जाती है तो भी आपका आवेदन रद्द किया जा सकता है. सही जानकारी के बिना बैंक आपको कभी लोन नहीं देंगे

नौकरी में अनियमितता- आपके पास कोई स्टेबल जॉब नहीं है जहां से आपको नियमित आय की गारंटी हो तो भी बैंक आपको लेन में थोड़ा हिचक सकते हैं. अगर आप बहुत जल्दी-जल्दी जॉब चेंज कर रहे हैं तो बैंक की नजर में यह अच्छी बात नहीं होती है.पैंडिंग लोन- कई बार लोगों ने पहले से ही बहुत सारे लोन लिए होते हैं और फिर वह नए लोन के लिए अप्लाई कर रहे होते हैं. ऐसे में अगर आप पर्सनल लोन के लिए अप्लाई करते हैं तो संभव है कि आपको लोन देने से मना कर दिया जाएगा.पात्रता- उपरोक्त दिए गए कारणों के अलावा भी कुछ कारण हैं जिसकी वजह से आपकी लोन एप्लीलेकशन रिजेक्ट हो सकती है. उम्र, नागरिकता और शैक्षिक योग्यता भी कई बार आपकी लोन एप्लीकेशन रिजेक्ट होने का कारण बन सकती है.

लीजहोल्ड और फ्रीहोल्ड प्रॉपर्टी क्या होती हैं

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

आपने अक्सर घर में बड़े-बुजुर्गों को कहते सुना होगा कि फ्लैट खरीदने से अच्छा है कि खुद का घर खरीदा जाए. इसके पीछे वह कारण बताते हैं कि यह प्रॉपर्टी 99 साल के बाद आपसे वापस ले ली जाएगी. भले ही यह बात हर फ्लैट के मामले में सच ना हो लेकिन अधिकांश फ्लैट्स के मामले में जरूर सच है. इसके पीछे लीजहोल्ड प्रॉपर्टी का नियम काम करता है. प्रॉपर्टी को 2 तरह से खरीदा जाता है- लीजहोल्ड और फ्रीहोल्ड. आप जिस फ्लैट में रह रहे हैं वह इन दोनों में से क्या है अगर आप पता लगा सकें तो आपको पता चल जाएगा कि वह फ्लैट आने वाली पुश्तों तक आपका ही रहेगा या फिर 99 साल बाद आपके हाथों से निकल जाएगा. लीजहोल्ड और फ्रीहोल्ड प्रॉपर्टी क्या होती हैं इसके बारे में हम आपको थोड़ा विस्तार से बताने का प्रयास करेंगे.

क्या होती है फ्रीहोल्ड प्रॉपर्टी

ऐसी कोई भी रियल एस्टेट प्रॉपर्टी जिस पर उसके मालिक के अलावा और किसी का अधिकार नहीं होता है. ऐसी प्रॉपर्टी को फ्री होल्ड प्रॉपर्टी कहा जाता है. यह प्रॉपर्टी जब तक बेची ना जाए तब तक इस पर कोई और हक नहीं जमा सकता, सिवाय उस व्यक्ति वंश या आश्रितों के जिसकी वह प्रॉपर्टी है. इसी तरह की संपत्ति आगे पुश्तैनी संपत्ति बनती है. फ्री होल्ड प्रॉपर्टी आमतौर पर महंगी होती है क्योंकि एक बार आपके द्वारा खरीदने के बाद यह पुरी तरह आपकी हो जाती है. यहीं लीजहोल्ड प्रॉपर्टी पीछे रह जाती है.

क्या होती है लीजहोल्ड प्रॉपर्टी

लीजहोल्ड प्रॉपर्टी एक तय समय तक ही आपकी होती है. आमतौर पर लीज 30 या फिर 99 साल की होती है. उसके बाद वह प्रॉपर्टी उसके मूल मालिक के पास वापस चली जाती है. समय पूरा होने के बाद उसकी लीज फिर से बढ़ाई जा सकती है. इसके अलावा उसे फ्रीहोल्ड प्रॉपर्टी में भी बदला जा सकता है लेकिन इसके लिए फिर ड्यूटी व अन्य शुल्क चुकाने होते हैं. लीजहोल्ड प्रॉपर्टी पर की वैल्यू लीज खत्म होने के बाद गिर जाती है. क्योंकि खरीदने वाले को इसका हमेशा के लिए अधिकार नहीं मिलता इसलिए यह फ्रीहोल्ड प्रॉपर्टी से सस्ती भी होती है.

कितने साल में होता है एक IAS अधिकारी का प्रमोशन ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 19 सितंबर देश का हर दूसरा युवा आईएएस अफसर बनाना चाहता है. आईएएस अधिकारी एक ऐसा पद होता है जहां रुतबे के साथ-साथ पैसा भी खूब होता है. आईएएस की नौकरी करने के लिए युवा अच्छे से अच्छी नौकरी छोड़ देते हैं. आईएएस अधिकारी बनने के लिए केवल यूपीएससी परीक्षा पास करना ही काफी नहीं है. अच्छी रैंक पानी भी आवश्यक है. आईएएस अधिकारी बन आप भारत सरकार के सबसे बड़े कैबिनेट सेक्रेटरी तक पहुंच सकते हैं. यहां हम आपको बताएंगे कि कितने सालों में आईएएस को प्रमोशन मिलता है.

जिला प्रशासन

बता दें कि आईएएस अधिकारियों के प्रमोशन के लिए समय सीमा तय की गई है. जिसके अनुसार ही उनका पद और वेतन बढ़ता है. इस सब के साथ ही उनकी जिम्मेदारियां भी बढ़ती हैं. जिला प्रशासन की बात करें तो पहले चार साल एक आईएएस अधिकारी की तैनाती बतौर एसडीएम रहती है. इसके बाद सर्विस के पांच से आठ साल के बीच वह एडीएम का जिम्मा संभलता है. 9 से लेकर 16 वर्ष तक एक आईएएस अधिकारी डीएम के पद पर तैनात रहता है. जबकि उसके बाद वह डिविजनल कमिश्नर

के पद तक पहुंच जाता है.

राज्य सचिवालय

यदि आईएएस राज्य सचिवालय में है तो शुरुआत में उसकी पोस्ट अंडर सेक्रेटरी की रहती है. 5 से 8 साल के बीच डिप्टी सेक्रेटरी पद रहता है. उसके बाद जॉइंट सेक्रेटरी बनाया जाता है. नौकरी के 13 से 16 साल के मध्य स्पेशल सेक्रेटरी कम डायरेक्टर पद मिलता है. 16 से 24 के लिए सेक्रेटरी-कम-कमिश्नर, 25 से 33 के बीच सेक्रेटरी-कम-कमिश्नर पद और उसके बाद चीफ सेक्रेटरी का पद मिलता है.

केंद्रीय सचिवालय

केंद्रीय सचिवालय की बात करें तो यहां एक आईएएस की शुरुआत बतौर असिस्टेंट सेक्रेटरी होती है. चार वर्ष के अनुभव के बाद अंडर सेक्रेटरी का पद दिया जाता है. फिर से 9 से 12 साल के बीच वह डिप्टी सेक्रेटरी पद पर रहता है. 13 से लेकर 16 साल तक डायरेक्टर का पद रहता है. उसके बाद 24 साल के अनुभव तक ज्वाइंट सेक्रेटरी, उसके बाद एडिशनल सेक्रेटरी, 30 से 33 साल के बीच एडिशनल चीफ सेक्रेटरी, 34 से 36 साल के अनुभव के मध्य सेक्रेटरी और उसके बाद वह आईएएस अधिकारी कैबिनेट सेक्रेटरी ऑफ इंडिया के पद पर तैनात होता है.

नए संसद भवन में कर्मचारियों के लिए नया ड्रेस कोड जारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 19 सितंबर , इस साल की गणेश चतुर्थी पर यानि 19 सितंबर को जहां पर नए संसद भवन का उद्घाटन होगा वहीं पर संसद से जुड़ी एक और खबर सामने आई है। यहां पर नए संसद भवन में काम करने वाले कर्मचारियों की ड्रेस भी बदल जाएगी। यहां पर कर्मचारी अब ट्रेडिशनल आउटफिट में नजर आने वाले है।

जानिए क्या होगा नए संसद भवन का ड्रेस कोड

आपको बताते चलें, नए संसद भवन की नई ड्रेस पारंपरिक होगी, मार्शल सफारी सूट की जगह क्रीम रंग का कुर्ता और पैजामा पहनेंगे। अधिकारियों को क्रीम रंग की कलर वाली शर्ट पहनने होंगे जिस पर गुलाबी कमल के फूल के प्रिंट अंकित होंगे, इन कर्मचारियों को शर्ट के ऊपर मेहरून स्लीवलैस जैकेट भी पहनना होगा. नीचे खाकी रंग की पतलून होगी।G20 के लोगो में भी शामिल किया गया था. हालांकि संसद की सुरक्षा में तैनात होने वाले ड्यूटी गार्ड (पीडीजी) अपनी सामान्य वर्दी पहनना जारी रखेंगे।

'दून लाइब्रेरी' बनी स्मार्ट सिटी की नई पहचान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 19 सितंबर , शहर की भीड़भाड़ , कोलाहल और भागमभाग से इतर आपको मिला है एक ऐसा अनोखा संसार जहाँ ज्ञान है , विज्ञान और जानकारियों का खजाना भरा है। क्योंकि अगर आप देहरादून के रहने वाले हैं तो स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट ने आपको वो बेहतरीन गिफ्ट दिया है जिसके बारे में आपको बताता ज़रूरी है। परेड ग्राउंड पर ये गिफ्ट आपका कर रहा है इंतज़ार ... क्या है ये गिफ्ट चलिए बताते हैं -

देहरादून स्मार्ट सिटी के अन्तर्गत शानदार और बेहतरीन पुस्तकों का संसार एक समृद्ध चार मंजिला बिल्डिंग मॉडर्न दून लाइब्रेरी में बस गया है जो लैंसडाउन चौक के निकट देहरादून में 3000 वर्ग मीटर भूमि पर फैला हुआ है। स्टूडेंट्स और किताबों के दीवानों के लिए दून लाइब्रेरी किसी समुद्र में गोते लगाने से कम नहीं है क्योंकि यहाँ प्रशासन ने अपने पाठकों को शिक्षा हेतु शांतिपूर्ण वातावरण एवं अत्याधुनिक सुविधाओं का पूरा ख्याल रखा है जहाँ G+3 संरचना का निर्माण किया गया है। जिसमें लगभग 400 से 500 पाठकों के अध्ययन की व्यवस्था की गयी है ।

बाहर से आकर्षक और अंदर से शांत इस लाइब्रेरी में आते ही आपको प्रशासनिक कक्ष निदेशक कक्ष, लाइब्रेरियन कक्ष, टेक्निकल स्टाफ कक्ष, कैफेटेरिया, BOH एवं बैठक कक्ष, कम्युनिटी हॉल (16 पाठकों की धारण क्षमता सहित), बहुउद्देशीय हॉल (100 पाठकों की धारण क्षमता सहित) तथा बच्चों के लिए चिल्ड्रन सेवा नज़र आ जाएगी। इसके साथ ही अन्य तीन तलों में अध्ययन व बुक्स रखने हेतु पर्याप्त स्थान है।

द्वितीय तल में 30 कम्प्यूटर सिस्टम सहित कम्प्यूटर लैब भी उपलब्ध करायी गयी है। इसके अतिरिक्त सभी तलों में महिलाओं, पुरुषों एवं विकलांगों की उपयोगिता के अनुरूप स्मार्ट टॉयलेट का निर्माण किया गया है। पीने के पानी की व्यवस्था, स्मार्ट लाइब्रेरी को ध्यान में रखते हुए बायोमैट्रिक व्यवस्था, लाइब्रेरी की सुरक्षात्मक दृष्टिकोण से 26 सी०सी० टी०वी० कैमरा 50000 RFID टैग, 1 नंबर 75 स्मार्ट स्क्रीन, हरित वातावरण युक्त ओपन एरिया थियेटर, विद्युत की समस्या को ध्यान में रखते हुए सौर ऊर्जा पैनल की व्यवस्था, पर्याप्त पार्किंग व्यवस्था आदि आधुनिक सुविधाओं के साथ शांतिपूर्ण हवादार व वातानुकूल वातावरण प्रदान किया गया है। तो निकल पढ़िए दून लाइब्रेरी की तरफ .... तुरंत

हल्द्वानी जाने वाले ध्यान दें बदल गया रूट, पढ़िए

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 19 सितंबर : उत्तराखंड में लगातार भारी बारिश के बीच सड़कों के बंद होने का सिलसिला जारी है। अल्मोड़ा में भी अल्मोड़ा-नैनीताल नेशनल हाईवे क्वारब पुल के पास पहाड़ी दरकने से बंद हो गया है। घटना में पुल को काफी नुकसान पहुंचा है। रोड बंद होने की वजह से नैनीताल से अल्मोड़ा और पिथौरागढ़ जाने वाले वाहनों का रूट बदला गया है। यहां खैरना से रूट डाइवर्ट किया गया है। नैनीताल और हल्द्वानी से अल्मोड़ा की ओर आने वाले वाहन रानीखेत होते हुए अल्मोड़ा आ सकते हैं।

इसी तरह पिथौरागढ़ जाने वाले यात्री वाहनों को भीमताल-खुटानी मार्ग से गंतव्य की ओर भेजा जा रहा है। बता दें कि बीते दिनों अल्मोड़ा-नैनीताल नेशनल हाईवे पर क्वारब पुल के पास पहाड़ दरकने से भारी मलबा आ गया। जिस वजह से हाईवे पर वाहनों की आवाजाही पूरी तरह बंद हो गई। हाईवे के बंद होने के कारण दोनों तरफ जाम की स्थिति बनी रही। क्वारब पुल जहां भारी मात्रा में मलबा आने से बंद है, तो वहीं बगल में बन रहे निर्माणाधीन पुल पर भी खतरा मंडरा रहा है। पहाड़ी दरकने के कारण आए मलबे के कारण इस मार्ग पर भी आवाजाही पूरी तरह बंद हो गई है। यहां हालात खतरनाक बने हुए हैं। करीब पचास मीटर की ऊंचाई से पहाड़ी खिसकी है। पहाड़ी पर अब भी दरारें बनी हुई हैं, जिससे मलबा गिर रहा है। पुराना पुल डेढ़ इंच और नया पुल मलबे के कारण करीब ढाई फीट पीछे खिसक गया है। अल्मोड़ा के डीएम विनीत तोमर ने कहा कि मलबे को हटाने की कोशिशें जारी हैं। इस मार्ग पर यातायात शुरू करने से पहले सिक्योरिटी टीम मौके का निरीक्षण करेगी।

रागी के लिए पहाड़ों में स्थापित किये जायेंगे क्रय केन्द्र : रेखा आर्या

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 19 सितंबर , प्रदेश की खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री रेखा आर्या ने 1 अक्टूबर, 2023 से प्रारम्भ होने वाले खरीफ-खरीद सत्र 2023-24 के अन्तर्गत क्रय संस्थाओं के माध्यम से फसलों के खरीद किये जाने के सम्बन्ध में विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की।बैठक में बताया गया कि इस वर्ष भारत सरकार द्वारा खरीफ-खरीद सत्र 2023-24 में धान की खरीद का लक्ष्य लगभग 8.96 लाख मीट्रिक टन रखा गया है, साथ ही भारत सरकार ने वर्ष 2023-24 के लिए चावल का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2183 रूपये प्रति कुन्तल कर दिया गया है जोकि पिछले खरीफ-खरीद सत्र के सापेक्ष अधिक है।साथ ही खरीफ-खरीद सत्र 2023-24 को 01 अक्टूबर 2023 से 31 दिसम्बर 2023 तक कर दिया गया है

खरीफ-खरीद सत्र 2023-24 को 01 अक्टूबर 2023 से 31 दिसम्बर 2023 तक

मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि हमारी बहुत सी संस्थाएं जैसे सहकारिता, एफसीआई, यूपीसीयू तथा यूसीसीएफ आदि के माध्यम से क्रय केन्द्र खोले गये हैं इन संस्थाओं को निर्देशित किया गया है कि किसानों को चावल की खरीद के संबंध में किसी भी प्रकार की असुविधा न होने पाये तथा नियमानुसार 72 घंटे के अर्न्तगत भुगतान करना सुनिश्चित किया जाए।साथ ही मत्री रेखा आर्या ने कहा कि खरीफ-खरीद सत्र 2023-24 के लिए बोरों की व्यवस्था विभाग द्वारा समय पर की जाए इसके लिए भी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। उन्होंने बताया कि रागी का न्यूनतम समर्थन मूल्य 3846 रूपये प्रति कुन्तल निर्धारित किया गया है। मंत्री ने कहा कि रागी मुख्यतः पहाड़ी जनपदों में उत्पादित किया जाता है जिसके लिए पहाड़ों में निश्चित क्रय केन्द्रों के निर्माण हेतु भी अधिकारियों को निर्देशित किया गया है।मंत्री ने कहा कि क्रय केन्द्रों पर हर प्रकार की सुविधा उपलब्ध हो इसके लिए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा कि किसान अपनी फसलों को 01 अक्टूबर 2023 से 31 दिसम्बर 2023 तक निश्चित किये गये क्रय केन्द्रों तक पहुंचायें। वहीं रागी के क्रय को लेकर बताया कि रागी मुख्यतः पहाड़ी जनपदों में उत्पादित किया जाता है जिसके लिए पहाड़ों में निश्चित क्रय केन्द्रों के निर्माण हेतु भी अधिकारियों को निर्देशित किया गया है।वहीं अधिकारियों से किसानों को खरीफ क्रय सत्र के दौरान किसी भी प्रकार की दिक्कत ना हो इसे लेकर अहम दिशा निर्देश दिए! इस अवसर पर प्रमुख सचिव खाद्य एल फैनई, अपर सचिव सहकारिता अलोक पाण्डेय, अपर आयुक्त पी.एस.पांगती, मुख्य विपणन अधिकारी महेंद्र सिंह व अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे!

अब कोटद्वार से आनंद विहार तक चलेगी सीधी एक्सप्रेस ट्रेन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 19 सितम्बर : गढ़वाल के रेल यात्रियों को कोटद्वार से आनंद विहार टर्मिनल (दिल्ली) के लिए एक नई रेल सेवा की सौगात मिलने वाली है। रेल मंत्रालय ने राज्यसभा सांसद अनिल बलूनी की मांग स्वीकार कर लिया है। यह कोटद्वार से दिल्ली के बीच दूसरी सीधी एक्सप्रेस सेवा होगी। रेलवे ने इस ट्रेन को चलाने के लिए समय सारणी तैयार कर ली है। इसके लिए जरूरी संसाधनों पर मंथन चल रहा है। यह ट्रेन मसूरी एक्सप्रेस की भरपाई करेगी।

रेलवे मंत्रालय के अनुसार यह ट्रेन कोटद्वार से रोजाना रात को 10 बजे नजीबाबाद, मौजमपुर नारायण, लक्सर, टपरी, देवबंद, मुजफ्फरनगर, मेरठ होते हुए प्रातः 04:35 बजे आनंद विहार टर्मिनल दिल्ली पहुंचेगी।जबकि आनंद विहार टर्मिनल से रात्रि 09:45 बजे चलकर प्रातः 03:50 बजे कोटद्वार पहुंचेगी। कोटद्वार से यह ट्रेन रात्रि 11:50 बजे नजीबाबाद पहुंचेगी, जबकि आनंद विहार टर्मिनल से ट्रेन के नजीबाबाद स्टेशन पर पहुंचने का प्रस्तावित समय तड़के 02:55 बजे रखा गया है। इस ट्रेन के संचालन से मसूरी एक्सप्रेस की कमी पूरी हो जाएगी और कोटद्वार को दिल्ली के लिए दूसरी सीधी ट्रेन मिलेगी। इसके लिए अगस्त अंतिम सप्ताह में कोटद्वार के व्यापारियों का एक प्रतिनिधिमंडल दिल्ली में राज्यसभा सांसद अनिल बलूनी से मिला था। उनकी ओर से रेल मंत्री को ज्ञापन सौंपा गया था। यह ट्रेन गढ़वाल के रेल यात्रियों के लिए बड़ी सौगात होगी।रेलवे के अधिकारियों के अनुसार अभी इस ट्रेन को प्रस्तावित ट्रेन सेवा में रखा गया है। रेलवे के जीएम ऑपरेटिंग ने कोटद्वार से आनंद विहार टर्मिनल के लिए संभावित सूची में ट्रेन संचालन का प्रस्ताव जारी किया है। हालांकि ट्रेन का नंबर और कब से संचालन शुरू होगा, इस बात का कोई जिक्र नहीं है। ट्रेन संचालन की संभावित सूची में संचालन का समय दिया गया है

विश्वकर्मा योजना, यहां जानें इस स्कीम के बारे में सबकुछ

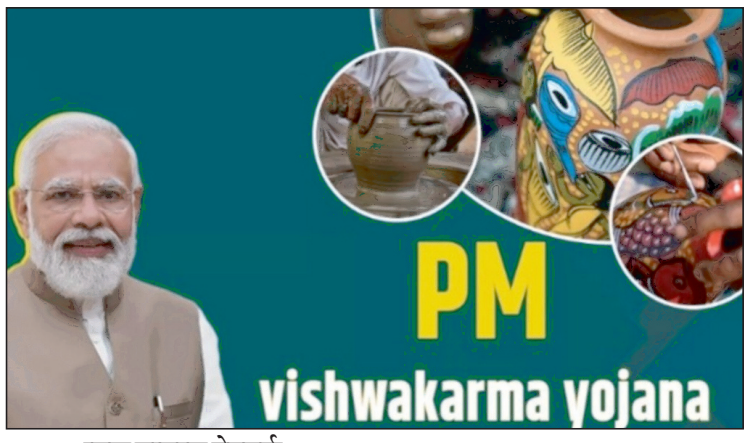

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 19 सितंबर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने 73वें जन्मदिन के मौके पर देशभर के कामगारों को बड़ी सौगात दी है। प्रधानमंत्री मोदी देशभर के कामगारों के लिए विश्वकर्मा योजना को लॉन्च किया। पीएम विश्वकर्मा योजना को लॉन्च करने से पहले प्रधानमंत्री मोदी ने विश्वकर्मा जयंती के मौके पर इंडिया इंटरनेशनल कन्वेंशन एंड एक्सपो सेंटर (IICC), द्वारका में भगवान विश्वकर्मा को पुष्पांजलि अर्पित की। इस दौरान उन्होंने फुटवियर उद्योग से जुड़े कारीगरों और शिल्पकारों से भी मुलाकात की

इस योजना का मकसद देश के युवाओं को रोजगार और उनके शिल्प कौशल को बढ़ावा देना है। शहर से लेकर ग्रामीण तक के शिल्पकारों को प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना का लाभ मिलेगा। फिलहाल इस योजना के अंतर्गत 18 तरह के व्यवसायों रखा गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पीएम विश्वकर्मा योजना शुभारंभ से पहले ट्वीट कर कहा कि इससे योजना देशभर के कारीगरों और शिल्पकारों का कौशल निखरेगा और इनकी बनाई चीजों को दुनियाभर में नई पहचान भी मिलेगी।'

इन्हें मिलेगा पीएम विश्वकर्मा योजना का फायदा

पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत कुम्हार, लोहार, चर्मकार जूता बनाने वाले, माला बनाने वाले, पारंपरिक खिलौने बनाने वाले, फिशिंग नेट बनाने वाले, हथौड़ा, ताला बनाने वाले, अस्त्र बनाने वाले, टूलकिट बनाने वाले, झाड़ू बनाने वाले, सुनार, चटाई, टोकरी, बढ़ई, मेसन, राज मिस्त्री, नाव, नाई, धोबी, दर्जी, मूर्तिकार और पत्थर तराशने वालों को फायदा मिलेगा।

ऐसे मिलेगा पीएम विश्वकर्मा योजना का फायदा

पीएम किसान योजना की तरह प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना का फायदा पाने के लिए सबसे पहले रजिस्ट्रेशन और फिर वैरिफिकेशन करवाना होगा। इसके बाद इस योजना के पात्र लाभार्थी को पीएम विश्वकर्मा प्रमाण-पत्र, पहचान-पत्र का सर्टिफिकेट और पीएम विश्वकर्मा योजाना का आई कार्ड दिया जाएगा।

संपादकीय

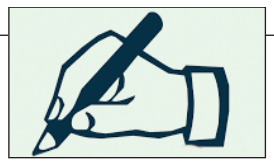

एशिया चैंपियन भारत

भारत एक बार फिर क्रिकेट का 'एशिया चैम्पियन' बना है। करीब 5 साल बाद यह 8वां सरताज टीम इंडिया के हिस्से आया है, लिहाजा अंतरराष्ट्रीय खिताब का सूखा समाप्त हुआ है। टीम इंडिया ने अपने हुनर, परिश्रम और जीत के जज़्बे के साथ यह खिताब हासिल किया है। फाइनल मैच में भारत ने श्रीलंका को मात्र 50 रनों पर ढेर कर दिया और 263 गेंदें शेष रहते यह टूर्नामेंट जीत लिया। एशिया कप में यह श्रीलंका की सबसे करारी हार रही, सबसे छोटा स्कोर बन पाया और टीम इंडिया सर्वाधिक 10 विकेट से चैम्पियन बनी। इस ऐतिहासिक जीत में सभी खिलाडियों के हिस्से की धूप है, लेकिन जीत के नायक रहे-मुहम्मद सिराज। इस नौजवान गेंदबाज की ऐसी सुनामी आई कि एक ही ओवर में श्रीलंका के अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाज ढह गए। कुल 4 बल्लेबाज तो 'शून्य' पर ही आउट हुए। सिराज ने 21 रन देकर 6 विकेट धराशायी किए। एक ही ओवर में 4 विकेट का करिश्मा करने वाले सिराज प्रथम भारतीय गेंदबाज हैं। पहली बार ही 16 गेंदों पर 5 विकेट उखाड़े। यह वाकई करिश्माई और सबसे तेज उपलब्धि है। एकदिनी क्रिकेट में सबसे तेज 50 विकेट हासिल करने वाले सिराज विश्व में ऐसे दूसरे गेंदबाज हैं। कीर्तिमान श्रीलंका के अजंथा मेंडिस के नाम है। अब सिराज दुनिया के सर्वश्रेष्ठ 3 गेंदबाजों की जमात में शामिल भी होंगे। बेशक श्रीलंका विश्व चैम्पियन टीम रही है और अब भी अपने 'एशिया खिताब' का बचाव कर रही थी, लिहाजा ऐसी ताकतवर टीम के मुकाबले यह एकतरफा जीत विश्व कप से पहले टीम इंडिया के लिए बेहद शुभ संकेत है। एकदिनी क्रिकेट का विश्व कप 5 अक्तूबर से भारत में ही खेला जाना है। अब टीम इंडिया बेहतर फॉर्म और उत्साह में है। टीम दमदार लग रही है। इसका भी मनोवैज्ञानिक असर पड़ता है। चूंकि ये खिलाड़ी लंबे अंतराल से साथ-साथ खेल रहे हैं, लिहाजा उम्मीद की जा रही है कि 1983 और 2011 के बाद तीसरी बार भारत विश्व चैम्पियन भी बन सकता है। यह आकलन विश्व चैम्पियन रहे बल्लेबाज सुनील गावस्कर का है। यह कोई अतिशयोक्ति नहीं है। सिराज, कुलदीप यादव और हार्दिक पंड्या की गेंदबाजी ने कहर बरपाते हुए साबित किया है कि वे अपनी सटीक गेंदबाजी से किसी भी देश की टीम को धराशायी कर सकते हैं। 'चाइनामैन स्पिनर' कुलदीप ने पाकिस्तान की आधी टीम को आउट कर, सुपर 4 में श्रीलंका के 4 विकेट लेकर उनके हिस्से से जीत छीन ली थी। उन्हें 'प्लेयर ऑफ दि टूर्नामेंट' चुना गया है और 15,000 डॉलर के नकद इनाम से नवाजा गया है। सवाल यह भी सहज है कि सिराज की गेंदबाजी में ऐसा क्या हुनर है कि सबसे तेज 150 विकेट लेने वाले गेंदबाज मुहम्मद शमी सरीखे खिलाड़ी को 'प्रतीक्षारत गेंदबाज' के तौर पर बिठाया गया है।

दैनिक न्यूज़ वायरस

संपादक : मौ.सलीम सैफी, **कार्यकारी संपादक :** आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002, **RNI No. :** UT-THIN/2012/44094
Cert. Ser. No. : 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com
Website : www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

गढ़वाल विवि में हिन्दी पखवाड़े के तहत होंगी विभिन्न प्रतियोगिता

श्रीनगर गढ़वाल। हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विवि में 29 सितम्बर तक हिन्दी पखवाडे के तहत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। गढ़वाल विवि के राजभाषा प्रकोष्ठ की ओर से हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए समान्य ज्ञान, हिन्दी टिप्पण, मसौदा लेखन प्रतियोगिता, निबंध लेखन सहित विभिन्न प्रतियोगिता आयोजित होंगी। गढ़वाल विवि के कुलसचिव डा. धीरज शर्मा ने बताया कि 20 सितम्बर को हिन्दी से सम्बंधित समान्य ज्ञान प्रतियोगिता, 22 सितम्बर को हिन्दी टिप्पण एवं मसौदा लेखन प्रतियोगिता, 23 सितंबर को वैश्विक मंच पर राजभाषा हिन्दी अथवा हिन्दी के विकास में मीडिया की भूमिका पर निबंध प्रतियोगिता, 25 सितम्बर को श्रुतलेख एवं सुलेख प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। बताया कि उक्त सभी प्रतियोगिता में विवि के अधिकारी एवं कर्मचारी प्रतिभाग कर सकते हैं। प्रतियोगिताएं अपरान्ह 3 बजे से 4 बजे तक होंगी। डा. शर्मा ने बताया कि 27 सितम्बर को 11 बजे से 1 बजे तक राजभाषा हिन्दी और तकनीकी प्रयोग की संभावनाएं और स्वरचित काव्यपाठ होगा। प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार को 2 हजार, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले को 1500 और तीसरा स्थान प्राप्त करने वाले को 1000 और प्रोत्साहन हेतु 500 रूपए के नकद पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा।

बोट यूनियन के अध्यक्ष के लिए दो नामांकन हुए

नई टिहरी। गंगा भागीरथी बोट यूनियन के चुनाव के लिए सोमवार को नामांकन हुए। सिंगल नामांकन होने पर सचिव, कोषाध्यक्ष व सह सचिव पद पर क्रमशः गबर पंवार, मनीष नेगी व अजय बहुगुणा निर्विरोध चुने लिए गये हैं। जबकि अध्यक्ष पद पर दो नामांकन लखवीर चौहान और विरेंद्र नेगी, उपाध्यक्ष पद पर आशिष रावत और मनीष नेगी ने नामांकन किया है।

चुनाव कमेटी के जितेंद्र नेगी सहित संदीप रावत, अनूप पंवार व भमा शाह ने बताया कि आगामी 19 सितंबर को वोटिंग होगी। चुनाव मे लगभग 107 वोटर शामिल होंगे। मतदान सुबह 10 बजे से मतदान होगा। शाम पांच बजे से मतगणना शुरू होगी। इसके बाद रिजल्ट की घोषणा की जाएगी।

अजब-गजब : यहां के लोग नहीं बताते अपने गांव का नाम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 19 सितम्बर : इटली में पहाड़ों के बीच 'कोलोब्रारो' नाम का एक गांव बसा हुआ है. जो इतना शापित है कि स्थानीय लोग उसका नाम तक नहीं बताते हैं, फिर चाहें आप उनसे किसी भी कीमत पर क्यों न पूछें. ऐसा इसलिए क्योंकि वे इस गांव को भूतिया और शापित मानते हैं. अतीत में यहां कुछ ऐसी खौफनाक घटनाएं हुई हैं, जिनकी वजह से स्थानीय लोग अपने गांव का नाम लेने से मना कर देते हैं.द सन की रिपोर्ट के अनुसार, कोलोब्रारो गांव विकृत जन्मों, कार एक्सीडेंट्स और प्राकृतिक आपदाओं की भयावह कहानियों का केंद्र रहा है. जिनकी शुरुआत 1900 के दशक के शुरू में हुई. पियाजियो वर्जिलियो नाम का एक अहंकारी वकील था. वह कभी कोई केस नहीं हारा था. एक दिन उसने एक बड़ा दावा किया. उसने कथित तौर पर कहा, 'अगर मैं जो कहता हूं वह झूठ है, तो क्या यह झूमर गिर सकता है'जैसे ही उसने ये शब्द बोले, उसके सिर के ऊपर झूमर आकर गिर गया और उसकी मौत हो गई. इसके बाद वर्जिलियो अपशकुन का पर्याय बन गया, जिसने इस टाउन पर एक दुष्ट साया डाला. हालांकि माटेओ जैसे स्थानीय लोग इसमें विश्वास नहीं करते हैं. उन्होंने एक रिपोर्ट में बताया,'डॉन बिया जियो वर्जिलियो? बेशक, मैं उसे याद करता हूं! दुर्भाग्य? लोगों ने इसे बना दिया, वह दुर्भाग्य नहीं लाया.दुर्भाग्य की ये कहानियों– चुड़ैलों की अफवाहों से और भी बदतर हो गईं. इस तरह कोलोब्रारो 'चुड़ैलों का अड्डा' बन गया. इन कहानियों ने लोगों पर इतना असर डाला कि वे सोचने लगे कि वे अभिशाप के अधीन हैं. माना जाता था कि चुड़ैलें जिनके पास जादुई शक्तियां होती थीं, वे पानी में नमक और कोयला मिलाकर उसे दूषित कर देती थीं और फिर उस दूषित पानी को चौराहे पर फेंकने से पहले इसे प्रभावित शख्स के माथे पर रगड़ती थी. जो कोई भी तब सड़क पर से गुजरता था, वह श्राप से मारा जाता था.

यहां अपनी मर्जी से नहीं देख सकते हैं टीवी, खबरें देखना है पाप

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 19 सितम्बर : दुनिया में कई अजीबोगरीब जगहें हैं जिनके बारे में जानकर आप हैरान हो जाएंगे। एक देश में कई तरह के अजीबोगरीब नियम हैं। इन नियमों के बारे में जानकर आप हैरत में पड़ जाएंगे।

यहां पर कोई अपनी मर्जी से टीवी तक नहीं देख सकता है। इस देश में तीन से चार टीवी चैनल हैं, लेकिन उन पर दुनिया की कोई नहीं दिखाई जाती है। सबसे हैरानी वाली बात यह है कि इस देश में एक प्रतिशत से कम लोगों के पास ही इंटरनेट है।

इस देश का नाम उत्तर कोरिया है, जहां का शासक तानाशाह किम जोंग उन है। इस देश की अक्सर अजीबोगरीब नियमों की वजह से चर्चा होती रहती है। इन दिनों एक बार फिर यह देश चर्चा में है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस देश में कोई भी बाहरी न्यूज चैनल नहीं देख सकता है। इसकी वजह से यहां के लोगों को दुनिया की अधिक जानकारी नहीं होती है। उत्तर कोरिया में अगर कोई विदेश चैनल देखते या सुनते पकड़ा जाता है, तो उसे कड़ी सजा दी जाती है।

सबसे हैरानी वाली बात यह है कि उसे जेल भी हो सकती है। जिन रेडियो चैनलों से सरकार नाराज होती है, तो उनको बंद कर किया जाता है। उत्तर कोरिया में कुल आबादी के 0.1 फीसदी लोग ही इंटरनेट का इस्तेमाल करते हैं। इस देश में कोई समाचार पोर्टल नहीं है। चीन की एक वेबसाइट उरीमिन्जिककिरी उत्तर कोरियाई स्रोतों से यहां के बारे में समाचार बताती है। सबसे हैरानी वाली बात यह है कि यहां के लोग विदेशियों से फोन पर बात भी नहीं कर सकते हैं।

सावधान : ट्रेन में ये चीज होती है सबसे ज्यादा क्या चोरी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 19 सितम्बर : रेलवे में कौन सफर नहीं करता है. रेल में चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए रेल मंत्रालय तेजी से प्रयासरत है. तमाम तरीकों को अपनाकर चोरी और अपराध को कम किया जा रहा है. सफलता कितनी भी मिली, पूरी तरह से इस प्रकार के अपराधों पर अंकुश लगाना लगभग मुश्किल हो जाता है. सतर्कता ही इसका सबसे सटीक इलाज है. सतर्क रेलवे पुलिस भी है. आप रेलवे में सफर के दौरान पुलिसवालों को तमाम परामर्श देते हुए देख सकते हैं. प्लेटफॉर्म पर भी रेलवे पुलिस के जवानों की जांबाजी खबरों में अक्सर दिखाई देती है. वीडियो में देखा जा सकता है.

लोग सराहना करते हुए भी नहीं थकते हैं. रेलवे में चोरियों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है. हर साल करोड़ों रुपये की चोरी हो जाती ही. ऐसे में रेलवे में यात्रा के दौरान जो चीज सबसे ज्यादा चोरी हो रही है वह है मोबाइल फोन रेलवे की ओर से कई बार यात्रियों को सचेत करते समय यह बताया जाता है कि सबसे ज्यादा चोरी होने के मामलों में मोबाइल फोन की चोरी होती है. माना जाता है कि आज के समय में रेलवे में सामान चोरी में 80 फीसदी मामला मोबाइल फोन का ही होता है. आज के मोबाइल युग में मोबाइल भी सभी के पास होता है और साथ में होता है चार्जर. सभी के पास स्मार्टफोन होता है और लगभग सभी को यात्रा के दौरान अपना चार्जर ट्रेन में इस्तेमाल करना होता है. इसलिए यह अब सबसे ज्यादा चोरी हो रहा है. इस चोरी से अपने मोबाइल को सुरक्षित किया जा सकता है. वैसे सबसे अहम सतर्कता ही होती है.

जागरूक यात्री अपने सामान के साथ-साथ अपने आस-पास के लोगों के सामान की सुरक्षा भी कर लेता है. इसके अलावा बैठने के साथ ही लावारिस सामान की जानकारी भी ले लेता है. यदि कोई लावारिस वस्तु मिली तो तुरंत सुरक्षा में तैनात संबंधित कर्मचारी को सूचित कर देता है. लेकिन, अपने सामान की सुरक्षा अपनी ही जिम्मेदारी होती है. तो हम क्या कर सकते हैं जिससे चोरी से बचा जा सकता है.अकसर देखा जाता है कि ट्रेन में लोग मोबाइल फोन चार्ज पर लगा कर रखते हैं. होता यूं है कि फोन चार्ज पर लगा रहता है और कई यात्री सो जाते हैं. रेलवे पुलिस के लोग पहले ही लोगों को आगाह करते हैं कि ऐसी गलती न करें, लेकिन कुछ लोग इसके बाद भी फोन को चार्ज पर लगाकर भूल जाते हैं. ऐसे ही लोगों के फोन चोरी हो जाते हैं. क्योंकि चोरों को ऐसी ही गलती का इंतजार होता है.

ऑनलाइन डिलीवरी पहुंचाने वालों के लिए कंपनियों को दिया गया ये सुझाव

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

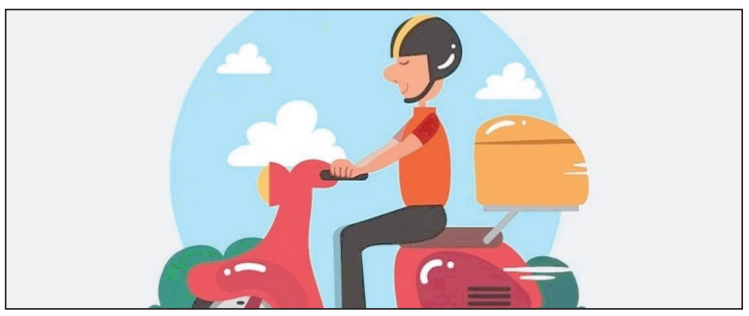

ब्यूरो रिपोर्ट 19 सितम्बर : खाने-पीने के सामान की ऑनलाइन ऑर्डर पर डिलीवरी सुविधा देने वाले मंचों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनके लिए काम कर रहे अस्थायी कर्मचारी ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकृत हों. साथ ही ये मंच सार्वजनिक वितरण प्रणाली, आयुष्मान भारत योजना और अटल पेंशन योजना से उन्हें जोड़ने में मदद करें. आर्थिक शोध संस्थान नेशनल काउंसिल ऑफ एप्लाइड इकोनॉमिक रिसर्च एनसीएईआर ने यह सुझाव दिया.एनसीएईआर के अध्ययन में कहा गया है कि सरकार अस्थायी श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के लिये सबसे अच्छा माध्यम है. साथ ही इन कंपनियों को केंद्रीकृत तरीके से सामाजिक सुरक्षा को वित्तपोषित करने के लिये सरकार को अतिरिक्त राजस्व प्रदान करना चाहिए. वहीं 7.1 प्रतिशत ई-श्रम पर पंजीकृत हैं जबकि चार प्रतिशत के पास अटल पेंशन योजना है.इंटरनेट आधारित सेवाएं देने वाली प्रोसस द्वारा प्रायोजित अध्ययन में कहा गया है, ''ऑनलाइन खाना बुकिंग और डिलिवरी सुविधा देने वाली कंपनियों को सुनिश्चित करना चाहिए कि उनके अस्थायी कर्मचारी ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकृत हों. साथ ही वे पीडीएस, आयुष्मान भारत/राज्य स्वास्थ्य योजना और अटल पेंशन योजना में पंजीकरण में उनकी मदद करें.'' इसमें कहा गया है कि डिलिवरी सेवा से जुड़े सभी कर्मचारियों का दुर्घटना बीमा है. एनसीएईआर ने कहा कि उसने 28 शहरों में फैले खाना वितरण मंच से जुड़े 924 श्रमिकों का टेलीफोन के जरिये सर्वेक्षण किया. सर्वे में शामिल कर्मचारियों में 57.8 प्रतिशत उस दौरान कार्यरत थे जबकि 42.2 प्रतिशत कंपनियों के लिये काम नहीं कर रहे थे. इन कर्मचारियों का काम के अधिकतम घंटे 10.8 और न्यूनतम 5.2 थे. इसमें से बहुसंख्यक कर्मचारी (99 प्रतिशत) पुरुष थे. सर्वे में शामिल कर्मचारियों में से आधे बड़े शहरों (टियर-1) और आधे मझोले तथा छोटे शहरों (टियर दो और टियर तीन) से थे.

समाज सेवा से बड़ा कोई कार्य नहीं : रईस मलिक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

सहारनपुर 19 सितम्बर : समाज सेवा से बड़ा पुण्य कार्य कोई नहीं 'जीवन में कोई उद्देश्य नहीं होगा तो कोई भी व्यक्ति सफल नहीं हो सकता। प्रत्येक व्यक्ति को सपने देखने के साथ आगे बढ़ना चाहिये। समाज सेवा का कोई अंत नहीं है। समाज सेवा से बड़ा कोई धर्म भी नहीं है।समाज सेवा अगर निःस्वार्थ भाव से की जाए तो मानवता का कर्तव्य सही मायनों में निभाया जा सकता है। रईस मलिक ने कहा कि हम मानव हैं और मानव होने के नाते हमारा पहला धर्म मानवता का परिचय देना है। लेकिन आज समाज जिस दिशा पर जा रहा है। उसको देखकर ऐसा अहसास होता है कि इंसान में इंसानियत का और आत्मियता का अभाव होता जा रहा है। लेकिन समाज के कुछ लोग ऐसे भी हैं जो समाजसेवा के माध्यम से मानवता का परिचय देते रहते हैं। साथ ही समाज के लोगों को मानवता का पाठ भी पढ़ाते हैं। इस क्रम में रईस मलिक ने कहा कि जीवन में समाजसेवा से बड़ा कोई कार्य नहीं है।

रईस मलिक ने कहा की समाज के प्रत्येक नागरिक को अपने सामाजिक एवं पारिवारिक दायित्वों के साथ-साथ समाजसेवा के लिए भी समय अवश्य निकालना चाहिए। गरीब बच्चों को बेहतर शिक्षा एवं उनके उत्थान के लिए प्रयाश करना चाहिए, और कहा है की समाज सेवा अगर निःस्वार्थ भाव से की जाए तो मानवता का कर्तव्य सही मायनों में निभाया जा सकता है। इसके लिए जरूरी नहीं है कि आप सरकारी सेवा में नियुक्त हों। कहीं से भी विभिन्न परिस्थितियों में रहते हुए भी आप देश और समाज के लिए बहुत कुछ कर सकते हैं।

चमोली : ड्रीम इलेवन की लत ने बनाया अपराधी, पहुंचा सलाखों के पीछे

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 19 सितम्बर : ड्रीम इलेवन की लत एक व्यक्ति को ऐसी लगी कि वह अपराधी बन गया और अब सलाखों के पीछे पहुंच गया। आरोपी एक महिला का मोबाइल छीनकर भाग गया। जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को ड्रीम इलेवन में पैसा लगाने की लत लग गई थी।लगातार गेम खेलने से वह सारा पैसा इसमें लगा चुका था।

पैसे खत्म होने के चलते उसने मोबाइल चोरी कर लिया, जिसे बेचकर वह ड्रीम इलेवन में पैसा लगाना चाहता था। बीते दिन नगर के नरसिंह मंदिर मार्ग पर सतेश्वरी देवी के हाथ से एक व्यक्ति मोबाइल छीनकर भाग गया था।महिला के पति कमल सिंह ने इस संबंध में पुलिस को तहरीर दी। क्षेत्र में झपटमार की पहली घटना होने पर एसपी रेखा यादव ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जोशीमठ कोतवाली प्रभारी निरीक्षक राकेश भट्ट को आरोपी की तुरंत गिरफ्तारी के निर्देश दिए। पुलिस ने क्षेत्र में चेकिंग अभियान चलाते हुए पूछताछ शुरू की। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने आरोपी को नगर से ही गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने अपना नाम प्रेम सिंह (45) हाल निवासी पंचवटी होटल जोशीमठ बताया। आरोपी के पास से चोरी किया गया मोबाइल भी बरामद हो गया। पुलिस के अनुसार पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह दो साल से ड्रीम इलेवन में रुपये लगा रहा है। अब तक वह इसमें करीब दो लाख रुपये लगा चुका है। जिस पंचवटी होटल में वह नौकरी करता है वहां से कुछ दिन पहले मिले वेतन को भी वह ड्रीम इलेवन में लगा चुका है। अब उसके पास पैसे नहीं थे तो वह मोबाइल छीनकर भाग गया। इसे बेचकर वह ड्रीम इलेवन में पैसा लगाना चाहता था।

राइंका मरोड़ा के छात्रों को स्कूल ड्रेस बांटी

नई टिहरी। राइंका मरोड़ा में कक्षा 6 से 8 तक के छात्र छात्राओं को विद्यालय प्रधानाचार्य एससी बडोनी ने निशुल्क ड्रेस का बांटी। उन्होंने कहा कि सरकारी विद्यालयों के छात्रों को सरकार की ओर से निशुल्क स्कूल और स्काउट गाइड ड्रेस दी जाती है। शिक्षक डॉ. त्रिलोक चंद सोनी ने कहा कि सरकारी स्कूलों के छात्रों को बेहतर पढ़ाई के साथ निशुल्क मध्यान भोजन, किताब, ड्रेस आदि की सुविधा दी जा रही है। उन्होंने अभिभावकों से अपने बच्चों का दाखिला सरकारी स्कूलों में करने की अपील की। मौके पर ड्रेस प्रभारी राजेंद्र रावत, स्काउट गाइड प्रभारी नवीन भारती, अनूप कुमार थपलियाल, कुलदीप चौधरी, गिरीश कोठियाल, आईडी वशिष्ठ, तेजी महर, शशि ड्यूडी, ऋषिवाला चौधरी, रामस्वरूप उनियाल, राकेश पंवार आदि मौजूद थे।